मा0 मुख्यमन्त्री घोषणा के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ के मुनस्यारी विकास खण्ड में खतेडा से सीणी मोटर मार्ग के समरेखण पर भू–वैज्ञानिक निरीक्षण आख्या। प्रस्तावित लम्बाई – 3.500 कि0मी0।

रिपोर्ट सन्दर्भ–

प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग, डीडीहाट के माध्यम से मुनस्यारी विकास खण्ड में खतेडा से सीणी मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना है। प्रदेश की लोक निर्माण विभाग की सलाहकार एजेन्सी, टेक्नीकल कन्सलटैन्सी सर्विसेज, 14–सी अरावली एन्कलेव, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून के अनुरोध पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रस्तावित सड़क का भू–वैज्ञानिक निरीक्षण टी0सी0एस0 के साईट प्रतिनिधि श्री मनोज आर्य की उपस्थिति मे किया गया।

जनपद पिथौरागढ़ के विकासखण्ड– मुनस्यारी में खतेडा से सीणी मोटर मार्ग को जोडने हेतु दो समरेखणों पर विचार किया गया, प्रथम समरेखण– नोलाणापुल – खतेडा मोटर मार्ग के किमी 14 ग्राम खतेडा से प्रारंभ होता है। प्रस्तावित मोटर मार्ग के समरेखण मे कमशः सीणी ग्रम तथा इनके तोक विद्यालय,सामुदायिक भवन आदी जुड जायेगें (Alignment starts with coordinate 29°53'32.20"N, 80°13'25.10"E and ends with 29°53'12.90"N, 80°14'19.20"E तथा द्वितीय समरेखण समरेखण– नोलाणापुल – खतेडा मोटर मार्ग के किमी 14 ग्राम खतेडा से प्रारंभ होता है। संज्ञान कराया गया है कि समरेखण – 2 स्थानीय जनता असहमत है तथा मार्ग का प्ररम्भिक भाग अधिक खडे चट्टानी छेत्र से हो कर गुजरता है जिसे करण इस भाग में सड़क की कटिग कर चौडई प्राप्त करना अत्याधिक कठिन हो जाता है।, मार्ग के निर्माण से ग्राम चामा एव सीणी लाभान्वित होगे। अन्य तथ्य होने पर नियामानुसार समरेखण 1 का भवैज्ञानिक निरिक्षण किया इसी परपेक्ष में प्लान को सुगम बनाया जा सके।

मुख्य रूप से क्षेत्र के प्रस्तावित एलाईमेन्ट सैन्ट्रल हिमालय सेक्टर के मध्य हिमालय मे तेजम ग्रुप आफ देववन फारमेशन के अन्तर्गत आता है। समरेखण में डोलोमाइट , कस्ट डोलोमाइट तथा फिलाइट की आपस मे इण्टरबेडेड है । स्थानीय रूप से देखने में आया है कि स्लोप प्रोफाईल मुख्य रूप से मध्यम है परन्तु कही कही पर तीष्ण ढाल भी देखने में आते है। स्थानीय चट्टान की स्ट्रेन्थ का अनुमान 100 से 150 MPa व अवसाधन मध्यम ग्रेड का पाया जाता है। सामान्यतः 3 व कहीं कही पर 4 से 5 सेट ऑफ डिसकन्ट्यूनिटी पेटर्न भी पाया जाता है कही कही भूक्षरण भी देखने में आया है जोकि उचित ड्रेनेज कर रोका जा सकता है क्षेत्र के प्रमुख हेजर्ड्स में भूकम्प, भूक्षरण एवं इन दोनो प्रमुख हेजर्ड्स से

Attested by

सहायक अभियन्ता
मा० ख० लो० नि० वि०
डीडीहाट (पिथौरागढ़)

सम्बन्धित मल्टीपल हेजट्र्स है। समरेखन क्षेत्र में सिविल भूमि में कहीं–कहीं चट्टान दृष्टिगोचर है,जबकि शेष भाग में मिटटी / डेब्री का ओवरबर्डन है। स्थल निरीक्षण के दिन समरेखन क्षेत्र में प्रथम दृष्टया कोई अस्थिरता दृष्टिगोचर नहीं हुई।

Seismicity of the Alignment area

The Area encompassed by the alignment falls in to the zone-V of the seismic zoning map of India (IS:1893-1984) Clusters of epicenters of medium to shallow earthquakes with magnitude ranging between 5 and 6.5 are shown on the map of India in and around the Alignment.

समरेखण उपयुकता स्टेटमेन्ट

उपरोक्त भूवैज्ञानिक तथ्यों एवं समुदाय की आवश्यकता को देखतें हुये, समरेखण 1,प्रस्तावित ल0 किमी0 3.500, जनपद पिथौरागढ के मुनस्यारी विकास खण्ड में खतेडा से सीणी मोटर मार्ग, संलग्न मानचित्रानुसार Conditionally Feasible दिया जा सकता है बर्शते अगले पैराग्राफ में दी गयी सलाहों का सड़क निर्माण में ध्यान दिया जाये।(समरेखण, संलग्न मैप में अंकित)

प्रमुख सलाहें

1. मोटर रोड हाफ कट एवं हाफ फिल टैक्निक, यदि जोन ज्यादा संवेदनशील होने पर बनाया जा सकता है, लेकिन फिलिंग मैटीरियल की मजबूती की तरफ ध्यान देना आवश्यक है।
2. हिल साईड में ड्रेन को extra wide बनाना चाहिये, जिससे कि अपहिल साईड से आने वाला पानी रोड पर और down side the slope/wall of the road पर ना आ सकें।
3. वर्षा के पानी का local springs discharge water के समुचित निकासी हेतु रोड साइड ड्रेन स्कपर, काजवे, कल्वर्ट आदि का निर्माण किय जाय।
4. हेयर पिन बैण्डों को मानकों के अनुसार वर Proper Drainage Arrangement व प्रोपर सुरक्षा दिवाल के अनुसार बनाया जाय।
5. क्षेत्र की भूकम्पीय स्थिति को ध्यान रखते हूये Construction Plan तैयार किया जाय।
6. हिमालय की प्राकृतिक आपदाओं व पर्यावरण के प्रति संवेदनशीनता को देखते हुये शैल कटान के वक्त जहॉ आवश्यक हो नियन्त्रित ब्लास्टिंग की जाय। अन्यथा मैनुअली कटिंग की जाय।
7. कटिंग के दौरान निकले हुए मैटीरियल को पूर्व निर्धारित dump yard में डालना चाहिये, लोवर स्लोप में फेंकने से भूक्षरक्षण की समस्या उत्पन्न हो सकती है। (Muck Disposal Plan होना चाहियें)।

Attested Copy

सहायक अभियन्ता
प्रा० ख० लो० नि० वि०
डीडीहाट (पिथौरागढ़)

8. जहॉ तक सम्भव हो बी0आई0एस0 के Hill area development के कोड को फौलो किया जाना चाहिए।

9. उपरोक्त के अतिरिक्त आई0आर0सी0/आई0एस0कोड0 में जो हिमालय में सड़क निर्माण के लिये मापदण्ड निर्धारित किये गये है, को भी संज्ञान मे लिया जा सकता है।

टिप्पणी:—भुमि हस्तान्तरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं उपलब्ध विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। समरेखन/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर सुझाव की आवश्यकता होने पर अलग से अवगत कराया जाये।

H.Kumar

(हर्ष कुमार)
वरि० भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग
देहरादून

(हर्ष कुमार)
वरि० भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग
देहरादून

Abstract copy

सहायक अभियन्ता
लो० नि० वि०
डीडीहाट (पिथौरागढ़)